सांध्य दैनिक 4PM

प्रेम और करुणा आवश्यकताएं हैं, विलासिता नहीं। उनके बिना मानवता जीवित नहीं रहे सकती

-दलाई लामा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 350 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 29 जनवरी, 2026

शिवम दुबे की मेहनत पर फिर... 7 | बिहार में थम नहीं रहा सियासी... 3 | वीबी-जी राम जी से बेरोजगारी... 2

अजीत पवार की मौत पर उठते सवाल?

पंचतत्व में विलीन हुए एनसीपी नेता, अंतिम संस्कार में तमाम दिग्गज शामिल

टीएमसी के बाद सपा ने जताया संदेह, न्यायिक जांच की मांग

» और अब सबसे बड़ा सवाल- एनसीपी की 'घड़ी' की चाबी किसके हाथ?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति आज शोक में है लेकिन इस शोक के बीच सवालों की आवाज भी उतनी ही तेज है। बारामती के पास हुए रहस्यमय प्लेन क्रैश में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की मौत सिर्फ एक दुर्घटना थी या फिर इसके पीछे कोई साजिश।

यह सवाल अब सियासी गलियारों से निकलकर राष्ट्रीय बहस बन चुका है। टीएमसी के बाद अब समाजवादी पार्टी ने भी इस मौत पर संदेह जताते हुए स्वतंत्र और न्यायिक जांच की मांग कर दी है। उधर आज बारामती में अजीत पवार का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। जिसमें गृहमंत्री समेत देश के तमाम बड़े राजनीतिक चेहरे शामिल हुए। सबके मन में था कैमरे होंगे सलामी होगी लेकिन वह (अजीत पवार) साथ नहीं चलेंगे।

जब अजीत पवार ने कहा था बीजेपी के भ्रष्टाचार की फाइलें मेरे पास हैं

अजीत पवार के पुराने बयान आज फिर से चर्चा में हैं। कई मौकों पर उन्होंने इशारों में और कभी-कभी खुलकर कहा था कि बीजेपी के कुछ बड़े नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार से जुड़ी फाइलें मेरे पास हैं। समय आने पर सब सामने आएगा। हालांकि उन्होंने कभी किसी नेता का नाम नहीं लिया लेकिन महाराष्ट्र की राजनीति समझने वाले जानते हैं कि यह बयान हल्के में नहीं थे। यही वजह है कि आज विपक्ष यह सवाल पूछ रहा है कि क्या अजीत पवार सिर्फ एक राजनीतिक सहयोगी थे या फिर सत्ता के भीतर असहज सच जानते थे? क्या उनकी मौत से कुछ फाइलें हमेशा के लिए दफन हो गईं? ममता बनर्जी ने भी इसी बिंदु को रेखांकित करते हुए कहा है कि जब कोई नेता सत्ता के भीतर की सच्चाई जानता है तो उसकी सुरक्षा सिर्फ व्यक्तिगत नहीं लोकतांत्रिक मुद्दा बन जाती है।

यह हादसा नहीं, साजिश हो सकती है : रविदास

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रविदास मेहरोत्रा का बयान इस पूरे मामले में आग में घी डालने जैसा है। उन्होंने साफ कहा है कि बारामती प्लेन क्रैश सामान्य दुर्घटना नहीं लगती। जिस तरह से घटनाक्रम हुआ वह कई सवाल खड़े करता है। यह साजिश का नतीजा भी हो सकता है। इस मामले में न्यायिक जांच अनिवार्य है। मेहरोत्रा ने कहा कि अजीत पवार कोई साधारण नेता नहीं थे। वह महाराष्ट्र की सत्ता

संरचना की रीढ़ रहे हैं। चाहे वित्त विभाग हो, सहकारिता हो या सरकार के भीतर शक्ति संतुलन। जिस व्यक्ति के पास सत्ता के भीतर की सबसे संवेदनशील फाइलें रही हों उसकी मौत को सिर्फ तकनीकी खराबी कह देना जनता के साथ धोखा है। उन्होंने सवाल उठाया कि विमान की तकनीकी स्थिति की पूरी रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं की गई? सपा कार्यकर्ताओं ने देशभर में प्रदर्शन की चेतावनी भी दी है। सवाल नम्बर एक – उड़ान से पहले सुरक्षा ऑडिट किस एजेंसी ने किया? सवाल नम्बर दो – हादसे के तुरंत बाद जांच की दिशा पहले से तय क्यों दिख रही है?

एनसीपी की 'घड़ी' अब किसके हाथ?

अजीत पवार की मौत सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं एनसीपी की सत्ता संरचना की भी मौत है। अब सबसे बड़ा राजनीतिक सवाल यही है कि पार्टी की 'घड़ी' की चाबी किसके हाथ जाएगी? क्या शरद पवार फिर से पूरी कमान संभालेंगे? क्या पार्टी में नया सत्ता

संघर्ष शुरू होगा? या फिर यह शून्य एनसीपी को और कमजोर कर देगा? अजीत पवार वह नेता थे जो संगठन, सरकार और सत्ता तीनों को एक साथ संभालते थे। उनकी गैरमौजूदगी सिर्फ भावनात्मक नहीं रणनीतिक नुकसान भी है।

अलविदा अजीत अंतिम विदाई में जुटी भीड़

आज बारामती में अजीत पवार को अंतिम विदाई दी गई। देश गृहमंत्री, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, तमाम केंद्रीय मंत्री, राज्यों के मुख्यमंत्री सब मौजूद रहे। इसमें अपार भीड़ जुटी। श्रद्धांजलि सभा हुई। उधर शोकसभा में मौन होगा लेकिन देश के भीतर सवाल बोलते रहेंगे क्या जांच निष्पक्ष होगी? क्या सच्चाई सामने आएगी? या फिर यह मामला भी फाइल में बंद होकर इतिहास में दफन हो जाएगा?

दुर्घटना या साजिश? विपक्ष का सीधा आरोप

बारामती प्लेन क्रैश को लेकर भारत की विपक्षी राजनीतिक दलों ने सवालों की झड़ी लगा दी है। प्लेन क्रैश के बाद सबसे पहले बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अजीत पवार की मौत को सीधे साजिश करार दिया था और कहा था कि अजीत लगातार महायुति सरकार से हटने की बात कह रहे थे। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी राजनीतिक हस्ती की मौत को महज तकनीकी खराबी कहकर टाला नहीं जा सकता। अब सपा का सुर भी उसी लाइन पर है। सपा से पूर्व कैबिनेट मिनिस्टर रविदास मेहरोत्रा ने कहा है कि अगर सब कुछ सामान्य था तो इतनी जल्दबाजी क्यों? ब्लैक बॉक्स की जानकारी सार्वजनिक क्यों

नहीं कि जा रही। उन्होंने कहा हे कि राजनीति में संयोग और दुर्घटनाओं पर भरोसा कब तक चलेगा।

सुप्रीम कोर्ट की जांच कमेटी बने

टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस मामले में सबसे तीखा और सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि यह सिर्फ महाराष्ट्र का मामला नहीं है। जब सत्ता के भीतर के रहस्य रखने वाला नेता इस तरह मारा जाए तो सवाल उठना स्वाभाविक है। ममता बनर्जी ने सिर्फ सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच कमेटी बनाए जाने की शर्त रखी है। उनका कहना है कि उन्हें देश कि किसी और एजेंसी पर अब भरोसा नहीं रहा। ममता बनर्जी का यह बयान इसलिए भी अहम है क्योंकि वह अजीत पवार को व्यक्तिगत रूप से जानती थीं और कई मंचों पर उनके साथ दिख चुकी हैं। उन्होंने साफ कहा है कि राजनीति में असहज सवाल पूछना अपराध नहीं है। अपराध है सवालों को दबाना।

वीबी-जी राम जी से बेरोजगारी बढ़ेगी : अखिलेश

» बोले सपा प्रमुख- बजट से समझौता किया जा रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया है। पूर्व सीएम ने विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम (वीबी-जी राम जी) की आलोचना करते हुए कहा कि यह कानून बजट से समझौता करता है और उत्तर प्रदेश में रोजगार सृजन को प्रभावित करेगा। यादव ने कहा कि वीबी राम जी पर हमारा रुख बिल्कुल स्पष्ट है।

उत्तर प्रदेश में लगभग 800 ग्राम सभाएं शहरी क्षेत्र में शामिल हो गई हैं। बजट से समझौता किया जा रहा है, जिससे उनके कामकाज और अपेक्षित रोजगार सृजन पर असर पड़ेगा। बजट सत्र से पहले संसद के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन के दौरान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) को रद्द किए जाने के विरोध में विपक्षी दलों द्वारा संसद में किए जा रहे प्रदर्शनों के बीच यादव ने ये टिप्पणियां कीं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने संबोधन में वीबी-जी राम जी अधिनियम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और विकास के लिए विकसित भारत-जी राम जी कानून बनाया गया है। इस नए सुधार से गांवों में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी होगी। एनडीए-भाजपा सांसदों ने सराहना में अपनी मेजें थपथपाईं, वहीं विपक्षी सांसद खड़े हो गए और कानून को वापस लेने की मांग करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने जोर देते हुए कहा कि आज संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रपति के संबोधन के दौरान, सभी विपक्षी दलों ने एमजीएनआरईजीए को जबरन निरस्त किए जाने का अत्यंत सम्मानपूर्वक और गरिमापूर्ण तरीके से विरोध किया। विपक्ष एमजीएनआरईजीए को बहाल करने की मांग के लिए सभी लोकतांत्रिक साधनों का इस्तेमाल करेगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राष्ट्रपति के संबोधन के दौरान हंगामा करने के लिए विपक्ष की आलोचना की।

महात्मा गांधी का नाम हटाने पर नाराजगी

संसद के शीतकालीन सत्र 2025 में पारित वीबी-जी राम जी अधिनियम, पूर्व की 100-दिवसीय रोजगार गारंटी को 125-दिवसीय गारंटी से बदल देता है। विपक्ष ने महात्मा गांधी का नाम हटाने और केंद्र एवं राज्यों के बीच 60:40 के निधि बंटवारे के अनुपात को समाप्त करने के लिए इस विधेयक की आलोचना की है। संसद का बजट सत्र, जो बुधवार से शुरू हुआ, 65 दिनों में 30 बैठकों तक चलेगा और 2 अप्रैल को समाप्त होगा। 2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण 29 जनवरी को प्रस्तुत किया जाएगा, जिसके बाद 1 फरवरी को केंद्रीय बजट 2026-27 पेश किया जाएगा।

भाजपा ने अनादि काल से आ रही सनातनी परंपरा तोड़ी

सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के दंभ ने अनादिकाल से चली आ रही सनातनी परंपरा को तोड़ दिया है। जगद्गुरु शंकराचार्य का तीर्थराज प्रयाग की धरती पर माघ मेले को बिना पवित्र स्नान किये छोड़कर जाना अत्यंत अनिष्टकारी घटना है। संपूर्ण विश्व का सनातन समाज इससे आहत ही नहीं बल्कि अनिश्चित भय से आशंकित है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा और उसके संगी-साथी चाहते तो सत्ता की हनक और अपने अंहकार को त्यागकर अपने कंधों पर उनकी पालकी उठाकर, उन्हें त्रिवेणी-संगम पर पावन स्नान कराकर, उनके मर्माहत सम्मान का मान रख सकते थे। भाजपाइयों को भ्रष्ट साधनों से अर्जित अपनी शक्ति का घमंड है, जो उन्हें ऐसा करने से रोक रहा है।

राजनीतिक पद संतों के मान से बड़ा नहीं हो सकता

संतों का मन दुखी करके कोई सुख नहीं पा सकता है। भूल करने से बड़ी गलती क्षमा नहीं मांगना है। कोई भी राजनीतिक पद संतों के मान से बड़ा नहीं हो सकता। भाजपा सनातन की भी सगी नहीं है। आज हर सनातनी मन से बेहद दुखी है। धार्मिक अनुष्ठानों में व्यवधान उत्पन्न करने वालों को क्या कहते हैं, ये भाजपाइयों को समझाने की जरूरत है। हमारे महाकाव्यों का यही मूलभूत संदेश है कि घमंड के दंड से कभी कोई दुर्जन नहीं बचता है। आहत संत अर्थात सत्ता का अंत।

सरकार की नीतियां, विदेशी मामले और आर्थिक गतिविधियां जनता के लिए अनुपयोगी : मायावती

बसपा प्रमुख बोलीं - संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण में कुछ नया नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने एनडीए सरकार को जमकर घेरा। यूपी की पूर्व सीएम को बजट सत्र की शुरुआत में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का संसद में दिया गया अभिभाषण ज़्यादा पारंपरिक और आम लोगों के लिए कम उपयोगी लगा।

मायावती ने कहा कि सरकार को आत्मनिर्भरता, विदेश नीति और आर्थिक चुनौतियों के मुद्दों पर लोगों का ज़्यादा भरोसा जीतने की ज़रूरत है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यद्यपि बजट सत्र की शुरुआत संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्पति मुर्मू के संबोधन से हुई, लेकिन भाषण से देश की गंभीर समस्याओं के शीघ्र समाधान या इसे वास्तविक आत्मनिर्भरता की ओर दृढ़ता से ले जाने की कोई नई उम्मीद नहीं जगी। उन्होंने कहा कि आज से बजट सत्र शुरू होने के साथ ही, लोगों को उम्मीद थी कि बजट भाषण देश की ज्वलंत समस्याओं के त्वरित समाधान की नई उम्मीद जगाएगा और भारत को आत्मनिर्भरता की ओर निर्णायक रूप से ले जाएगा, लेकिन कई लोगों को यह भाषण अधिक पारंपरिक और आम लोगों के लिए कम उपयोगी लगा। वैश्विक स्थिति का जिक्र करते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अमेरिका द्वारा अमेरिका फर्स्ट नीति अपनाने के कारण दुनिया में व्यापक उथल-पुथल देखी जा रही है, और इस घटनाक्रम से भारत का प्रभावित होना स्वाभाविक है।

उन्होंने कहा कि ऐसे समय में, समाधान के रूप में निजी क्षेत्र पर सरकार की अत्यधिक निर्भरता से लोगों में चिंता और आशंकाएं पैदा होती हैं कि भारतीय संदर्भ में यह दृष्टिकोण कितना प्रभावी होगा।

पूंजीपतियों व धन्नासेठों के साथ-साथ आमजन के हित व कल्याण में हों व्यापारिक समझौते

बसपा प्रमुख ने कहा कि जहां सरकार संसद के अंदर और बाहर अपने राजनीतिक विरोधियों को आक्र ामक रूप से निशाना बनाती है, वहीं जनता को आत्मनिर्भरता, विदेश नीति सहित देश और जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी सरकार से उतनी ही प्रखरता की अपेक्षा है, ताकि जन-आत्मविश्वास मज़बूत हो सके। बसपा नेता ने कहा, इस क्रम में भारत का करीब 20 साल बाद यूरोपीय यूनियन के साथ व्यापारिक समझौता बड़े-बड़े पूंजीपतियों व धन्नासेठों के साथ-साथ आमजन के हित व कल्याण में भी अवश्य होना चाहिए।

गहरी समझ रखने वाले अत्यंत अनुशासित नेता थे अजीत : उद्धव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य ने एक दृढ़ नेता और उत्कृष्ट सहयोगी को खो दिया है। ठाकरे ने कहा कि दोनों के बीच उत्कृष्ट सहयोगियों के रूप में एक विशेष बंधन विकसित हुआ था और उन्होंने पवार के खुले दिल वाले स्वभाव की प्रशंसा की। ठाकरे ने कहा कि पवार द्वारा राजनीति में अलग रास्ता चुनने के बावजूद, उन्होंने हमारे रिश्ते को टूटने नहीं दिया।

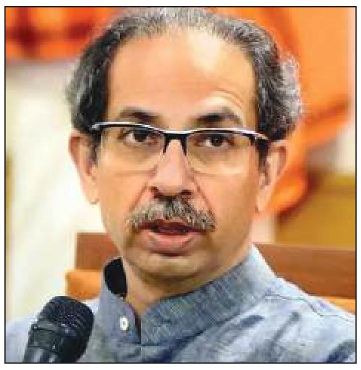

एक पोस्ट में ठाकरे ने कहा कि मैंने अपने मंत्रिमंडल से एक दृढ़ नेता और उत्कृष्ट सहयोगी को खो दिया है। जब मैं मुख्यमंत्री था, अजित पवार उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री थे। वे अपने विभाग पर मजबूत पकड़ और वित्त विभाग की गहरी समझ रखने वाले अत्यंत अनुशासित नेता थे। उत्कृष्ट सहयोगियों के रूप में हमारे बीच एक विशेष बंधन विकसित हुआ था। अजीत पवार खुले दिल के थे। वे बेबाक थे। वे लंबे समय तक किसी से बैर नहीं रखते थे। भले ही उन्होंने राजनीति में अलग रास्ता चुना, लेकिन उन्होंने हमारे रिश्ते को टूटने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि पवार पूरे महाराष्ट्र में दादा के नाम से जाने जाते थे और उनके निधन से राज्य के नेतृत्व में एक बड़ा खालीपन आ गया है। महाराष्ट्र में वे दादा के नाम से लोकप्रिय थे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि वे इतनी जल्दी हमें छोड़कर चले जाएंगे। वे एक ऐसे नेता के रूप में जाने जाते थे जो अपने कार्यकर्ताओं को बहुत महत्व देते थे। उनके निधन से राज्य के नेतृत्व में एक बड़ा खालीपन आ गया है। हर मायने में वे सचमुच दादा थे। मेरी ओर से, ठाकरे की ओर से और शिवसेना परिवार की ओर से दादा को मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि!

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

यूजीसी कानून समाज को बांटने वाला : बृजभूषण

» पूर्व भाजपा सांसद ने कहा- अगर वापस नहीं हुआ तो होगा आंदोलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा । यूजीसी के नए नियम के विरुद्ध कैसरगंज से भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने मोर्चा खोल दिया। विश्नोहरपुर स्थित अपने आवास पर उन्होंने इसे समाज को बांटने वाला कानून बताया और सरकार से तत्काल वापस लेने की अपील की। चेताया भी कि सरकार इस कानून को वापस ले, नहीं तो आंदोलन होगा। इसमें समाज के सभी वर्ग के लोग शामिल होंगे।

पूर्व सांसद ने परिसर में खेल रहे बच्चों की ओर इशारा करते हुए कहा कि इनमें उनके परिवार के साथ ही अनुसूचित और ओबीसी समाज के बच्चे भी हैं। यहां सभी एक साथ खेलते हैं। घर से सबके लिए नाश्ता जाता है और सभी साथ बैठकर खाते भी हैं। उन्होंने कहा कि समाज कैसे चलता है, यह दफ्तरों में बैठकर तय नहीं किया जा सकता। गांव में आकर देखिए, यहां बिना किसी भेदभाव के सभी जाति व वर्ग के लोग साथ रहते हैं। बृजभूषण शरण सिंह ने अपने घर की ओर इशारा करते हुए सवाल उठाया कि क्या भविष्य में ऐसा माहौल बनाना चाहते हैं कि किसी अनुसूचित या ओबीसी को इस घर में प्रवेश न मिले? यही स्थिति यह कानून पैदा कर रहा है। पूर्व सांसद ने सरकार से हाथ जोड़कर आग्रह किया है कि इस बिल को वापस लें। यह समाज को बांटने वाला है। पूर्व सांसद ने कहा कि सवर्ण समाज को चाहिए कि वह पिछड़े व दलित समाज के प्रबुद्ध वर्ग से संवाद करे और मिलकर इस कानून का विरोध करे।

सभी वर्गों के छात्रों को शिकायत करने का समान अधिकार मिलना चाहिए : कलराज

राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों को पूरी तरह असंवैधानिक बताते हुए इसका विरोध किया। मिश्र ने सेक्टर-51 स्थित अपने आवास पर कहा कि नए नियमों को जल्द वापस लिया जाना चाहिए। मिश्र ने कहा कि इन नियमों के कारण छात्रों के बीच भेदभाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है और किसी भी तरह के भेदभाव या अभद्र टिप्पणी का शिकार होने पर सभी वर्गों के छात्रों को शिकायत करने का समान अधिकार मिलना चाहिए।

बिहार में थम नहीं रहा सियासी रार

सत्ता पक्ष से ज्यादा विपक्ष में तकरार

- » राजद व कांग्रेस में मनमुटाव हुई आम
- » राहुल व तेजस्वी निशाने पर आए
- » रोहिणी व शकील अहमद मुखर
- » भाजपा ने कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में चुनाव के बाद से नई सरकार काम कर रही है। पर राज्य में सियासी बाजार में गरमाहट अभी भी बनी हुई। हालांकि सत्ता पक्ष में अभी फिलहाल माहौल नियंत्रण में है, पर राज्य के विपक्षी दलों में कोहराम मचा हुआ है। सबसे ज्यादा सिर फुटौव्वल कांग्रेस व राजद में मचा हुआ है।

जहां राजद में तेजस्वी की ताजपोशी पर बहन रोहिणी का वार जारी हैं। उधर कांग्रेस के पूर्व दिग्गज सांसद शकील अहमद राहुल गांधी पर बयान देकर बुरे फंस गए है। उनसे कांग्रेस ने किनारा कर लिया। जबकि एनडीए सरकार उनको सुरक्षा देकर विपक्ष को आड़े हाथों भी लिया है। आपकों बता दें राजद में तेजस्वी यादव को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने से पारिवारिक कलह फिर सतह पर आ गई है।

कानून के राज है कोई बख्शा नहीं जाएगा : दिलीप

पूर्व कांग्रेस नेता शकील अहमद ने राहुल गांधी पर अपने आवासों पर सुनियोजित हमले का आरोप लगाया है, जिसके जवाब में बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने कानून के राज का आश्वासन देते हुए कहा कि कोई भी दोषी बच नहीं पाएगा। यह विवाद अहमद द्वारा कांग्रेस के आंतरिक लोकतंत्र पर सवाल उठाने के बाद सामने आया है। बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने पूर्व कांग्रेसी नेता डॉ. शकील अहमद द्वारा लगाए गए हालिया आरोपों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि राज्य में कानून सर्वोपरि है और अगर कोई घटना होती है तो दोषी बच नहीं पाएगा। जायसवाल ने अहमद के उन दावों के बारे में कहा, जिनमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने पटना और मधुबनी स्थित उनके आवासों पर सुनियोजित हमला किया था, ऐसी स्थिति में जब कांग्रेस नेतृत्व पर सवालिया निशान लग गया है, ऐसी घटनाओं का कोई महत्व नहीं रह गया है। उन्होंने आगे कहा कि कानून का राज है। अगर इस संबंध में कोई घटना होती है, तो दोषी बच नहीं पाएगा।

तेजस्वी के करीबियों पर भी बोला हमला

रोहिणी ने अपनी पोस्ट में तेजस्वी के आसपास रहने वाले करीबियों पर भी निशाना साधा। उन्होंने लिखा, राजनीति के शिखर पर, एक शानदार पारी का ग्रैंड फिनाले... चापलूसों और घुसपैठियों के गिरोह को उस राजकुमार के राज्याभिषेक पर बधाई, जिसे उन्होंने कठपुतली बना दिया है। सियासत के शिखर - पुरुष की गौरवशाली पारी का एक तरह से पटाक्षेप ठकुरसुहाती करने वालों और गिरोह - ए - घुसपैठ को उनके हाथों की कठपुतली बने शहजादा की ताजपोशी मुबारक।

शकील अहमद के बयान के बाद घमासान

कांग्रेस से पाला बदलने वाले शकील अहमद के घर के बाहर बिहार पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है। अहमद ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने युवा कांग्रेस नेताओं को पटना और मधुबनी स्थित उनके आवासों पर हमला करने का निर्देश दिया है। यह घटना अहमद द्वारा सोमवार को किए गए एक व्हाट्सएप पोस्ट के बाद सामने आई है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि कांग्रेस के सहयोगियों ने उन्हें गुप्त रूप से सूचित किया था कि 27 जनवरी को पटना और मधुबनी स्थित उनके आवासों पर हमले की योजना बनाई गई है। बाद में उन्होंने कथित योजनाओं के सबूत के तौर पर व्हाट्सएप संदेशों के स्क्रीनशॉट साझा किए। अहमद ने दावा किया कि कथित हमले की योजना राहुल गांधी के बारे में उनके बयान से उपजी थी। उन्होंने गांधी पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए

कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कई नेता उनके बारे में नियमित रूप से बयान देते हैं। उन्होंने कहा कि अमित शाह जी हर दिन राहुल गांधी के बारे में बयान देते हैं। आप उन पर प्रतिक्रिया क्यों नहीं देते? मैं तो कांग्रेस में भी नहीं हूँ। कांग्रेस के बारे में अपना रुख स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि वह शुभचिंतक हैं, शत्रु नहीं, क्योंकि उन्होंने किसी अन्य पार्टी में शामिल न होने का संकल्प लिया है और मृत्यु से पहले उनका अंतिम वोट भी कांग्रेस को ही जाएगा।यह विवाद तब शुरू हुआ जब कांग्रेस से हाल ही में अलग हुए शकील अहमद ने राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए उन पर वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार करने और पार्टी के भीतर आंतरिक लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया।

राजकुमार से कठपुतली का राज्याभिषेक हो गया : रोहिणी आचार्य

तेजस्वी की सगी बहन रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर इसे राजकुमार से कठपुतली का राज्याभिषेक बताकर बिहार की राजनीति में नया विवाद खड़ा कर दिया है। राष्ट्रीय जनता दल की बैठक में लालू प्रसाद यादव द्वारा तेजस्वी यादव को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद परिवार के अंदरूनी मतभेद एक बार फिर खुलकर सामने आ गए हैं। तेजस्वी की बहन रोहिणी आचार्य ने इस नियुक्ति पर बेहद तीखा हमला बोला है। गौर करने वाली बात यह है कि यह फैसला उन पारिवारिक विवादों के महीनों बाद आया है, जिसने बिहार के इस सबसे ताकतवर राजनीतिक परिवार की दरारों को जगजाहिर कर दिया था। तेजस्वी की नियुक्ति की खबर सार्वजनिक होने के कुछ ही देर बाद रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर एक विवादित पोस्ट साझा की। उन्होंने अपने भाई का नाम लिए बिना इसे एक राजकुमार से कठपुतली बने व्यक्ति का राज्याभिषेक करार दिया। रोहिणी के इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है। उधर अहमद ने लोकसभा विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व केवल राहुल गांधी तक ही सीमित है, जिसका अर्थ है कि उन्हीं का पूर्ण नियंत्रण है। अपने व्हाट्सएप पोस्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि मैंने लिखा था कि कांग्रेस के कुछ सहयोगियों ने मुझे गुप्त रूप से सूचित किया है कि कल मधुबनी और पटना स्थित मेरे घर पर हमला होगा।

पंजाब में बिछने लगी चुनावी बिसात

सौगातों का पिटारा खोलेगी आप सरकार

- » केजरीवाल व सीएम मान ने मोर्चा संभाला
- » नशा, बदहाल शिक्षा, बेरोजगारी के मुद्दे पर विरोधियों की घेराबंदी
- » एसवाईएल पर सैनी सरकार से बात कांग्रेस ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चण्डीगढ़। चुनावी साल में पंजाब की सियासी गरमाहट तेज हो गई है। जनता को सौगातों की बौछार होने लगी है। हालांकि एसवाईएल मुद्दे को हल करने के लिए आप की सरकार हरियाणा की बीजेपी सरकार से सकारात्मक बातचीत होने का राग आप रही है। जबकि कांग्रेस इसे गुमराहव बेनतीजा बता रही है।

उधर मुख्यमंत्री भगवंत मान और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राज्य में मुख्यमंत्री सेहत योजना की लॉन्चिंग के दौरान पूर्व सरकारों पर निशाना साधते हुए नशा, बदहाल शिक्षा और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को उठाया। मंच से दोनों नेताओं ने कहा कि आप की सियासत सेवा पर आधारित है, न कि व्यक्तिगत लाभ पर। केजरीवाल ने कहा कि पूर्व सरकारों ने पंजाब की नींव कमजोर की और नशे के खिलाफ पर्याप्त कार्रवाई नहीं की। उन्होंने विपक्षियों को चेतावनी दी कि वोट बैंक की राजनीति के लिए पंजाबियों को धोखा नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो नेता अपनी गाड़ियों में नशा तस्करी करवाते थे, वे आज जेल में हैं।

पूर्व सरकारों को मत लाना वरना फिर काला दौर : केजरीवाल

केजरीवाल ने कहा कि विपक्ष के नेता मुफ्त इलाज जैसी योजनाओं को रोकने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन आप सरकार ने इसे लागू कर विरोधियों को मुंह बंद कर दिया। मोहल्ला और पिंड क्लीनिक से स्वास्थ्य सेवाएं हर गांव तक पहुंची हैं। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि पूर्व सरकारों के दौरान पंजाबियों का ध्यान नहीं रखा गया। शिक्षा की हालत खराब थी, नौकरी नहीं मिलती थी, नशा बढ़ रहा था। आज सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ी है और 63 हजार नौकरियां बिना सिफारिश दी गई हैं। देश-विदेश से निवेश आ रहा है और युवाओं का पलायन रोका गया है।

पंजाबियों ने बदल दी मार्केट, विरोधियों की दुकानें बंद : मान

मान ने कहा कि पंजाबियों ने सरकार को मौका देकर विपक्षी नेताओं की दुकानें बंद कर दी हैं। शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार से प्रदेश में व्यापक बदलाव आया है। सरकार ने इस अवसर को चुनावी संदेश देने के लिए भी इस्तेमाल किया। मुख्यमंत्री और आप संयोजक ने जोर देकर कहा कि आगामी चुनाव में पंजाबियों का आशीर्वाद मिलना राज्य के लिए नई बुलंद इमारत खड़ी करेगा। चार साल के कार्यकाल में स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के सुधारों को प्रदर्शित कर आप सरकार चुनावी रणनीति मजबूत कर रही है।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जन सहभागिता से दूर होंगी समस्याएं

किसी भी समस्या का समाधान बातचीत से संभव है। और समस्या जनता से जुड़ी है तो उसमें जन सहभागिता अवश्य होनी चाहिए। खासतौर से पर्यावरण से संबधी किसी भी योजना को सही तरीके फलीभूत करने के लिए जनजागरण आवश्यक है। अभी हाल में सर्वोच्च न्यायालय की अरावली पर्वतमाला में अवैध खनन को लेकर जो चिंता देखी गई है वह अपने आपमें महत्वपूर्ण इसलिए हो जाती है कि अरावली पर्वतमाला को खोखला करने में अवैध खनन गतिविधियों की प्रमुख भूमिका रही है। 21 जनवरी को सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की बैंच ने अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और समस्या के मूल कारण अवैध खनन पर रोक पर जोर दिया है। 21 जनवरी के निर्देशों को स्पष्टता की दृष्टि से दो भागों में समझा जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी में जहां अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन पर प्रभावी रोक और इसकी कार्ययोजना के निर्देष दिए हैं वहीं अरावली पर्वतमाला को परिभाषित करने के मुद्दे का अलग अलग देखने पर जोर दिया है।

> 21 जनवरी के निर्देशों को स्पष्टता की दृष्टि से दो भागों में समझा जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी में जहां अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन पर प्रभावी रोक और इसकी कार्ययोजना के निर्देष दिए हैं वहीं अरावली पर्वतमाला को परिभाषित करने के मुद्दे का अलग अलग देखने पर जोर दिया है।

अरावली पर्वतमाला की 100 मीटर के आदेष को दिसंबर के केप्ट इन एवियांस के आदेश को यथावत रखा हैं और विशेषज्ञों की कमेटी बनाने के लिए नाम व सुझाव मांगे है। कमोबेस चार सप्ताह में दुबारा सुनवाई तक कार्ययोजना और विशेषज्ञों के नाम और सुझाव का समय दिया गया है। पर अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन गतिविधियों के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने अधिक गंभीरता जताई है। अरावली पर्वतमाला को लेकर वैध और अवैध खनन की बहस को अलग रखकर देखा जाए तो यह साफ हो जाता है कि अरावली पर्वतमाला को वैध खनन से अधिक अवैध खनन ने नुकसान पहुंचाया है। यह चिंता केवल पर्यावरणविदों की ही नहीं अपितु समूचे समाज और समूचे देश की इस मायने में है कि अरावली पर्वतमाला एक मोटे अनुमान के अनुसार 2 अरब पुरानी प्रोटेरोजोइक युग में निर्माण हुआ माना जाता है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली एनसीआर और गुजरात तक अरावली पर्वतमाला है। राजस्थान का बड़ा क्षेत्र 20 जिले अरावली पर्वतमाला में आते हैं। अरावली पर्वतमाला की कोख में मेसेनरी स्टोन से लेकर क्रि टकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के अपार भण्डार है। देखा जाए तो अरावली पर्वतमाला को राजस्थान की तुलना में हरियाणा और दिल्ली एनसीआर में अधिक नुकसान पहुंचाया गया है। खैर आरोप प्रत्यारोप का ना तो यह समय है और ना ही इससे कोई निकष निकलने वाला है। पर एक बात साफ है कि अरावली पर्वतमाला को संरक्षित रखना समय की मांग और भविष्य के लिए आज की आवश्यकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

एफटीए से यूरोप-भारत व्यापार को बूस्टर डोज

पुष्परंजन

बिना एफटीए के भी यूं तो यूरोपीय देशों से भारत का व्यापार दशकों से होता आ रहा है। लेकिन, ऐसा माना गया कि मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) होने से इसे बूस्टर डोज मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इंडिया एनर्जी वीक का वर्चुअली उद्घाटन करते हुए कहा, 'ईयू-इंडिया एफटीए सभी सौदों की जननी है। यह सौदा यूके और ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार समझौतों का पूरक है। भारत में कपड़ा, रत्न, आभूषण, चमड़ा और जूट जैसे विभिन्न क्षेत्रों को इस व्यापार समझौते से फायदा होने वाला है।' पीएम मोदी ने कहा कि यह डील भारत की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को मजबूत करेगी, और सर्विस सेक्टर को नया सहारा देगी। वर्ष 2007 में शुरू हुई वार्ता प्रक्रिया का समापन देर-सवेर हुआ ही। मनमोहन सिंह से आरम्भ वार्ता को मोदी ने अंजाम दिया। यहां तक पहुंचने में 19 साल लगे। लेकिन रुकिए, अभी बहुत कुछ होना बाकी है।

सभी यूरोपीय संघ के सदस्य देशों की भाषाओं में एफटीए के कानूनी दस्तावेजों को प्रकाशित करना होगा। सभी धाराओं की एक-एक करके जांच होगी, जिसे 'लीगल स्क्रबिंग' कहते हैं, यूरोपीय परिषद द्वारा औपचारिक मंजूरी के बाद, यूरोपीय संसद की सहमति चाहिए, इसके प्रकारांतर भारतीय कैबिनेट द्वारा पुष्टि होगी। इन सबसे गुजरने के बाद, 2027 तक इसके लागू होने की उम्मीद है। मंगलवार को यूरोपियन कमीशन की प्रतिक्रिया गौर करने लायक है 'इस डील से ईयू कंपनियों और किसानों को ज्यादा निर्यात करने में मदद मिलेगी। इस डील से पहले ही आठ लाख यूरोपीय नौकरियों को सपोर्ट मिलता रहा है। अब एक्सपोर्ट में बढ़ोतरी से, और भी ज्यादा यूरोपीय नौकरियां मिल सकती हैं।' यूरोपियन कमीशन का सन्देश था, 'उम्मीद है कि यह समझौता भारत को होने वाले ईयू एक्सपोर्ट को दोगुना कर देगा। इसके अलावा, भारतीय सर्विस मार्केट तक बेहतर पहुंच, खासकर फाइनेंशियल सर्विसेज, मैरीटाइम सर्विसेज व दूसरे मुख्य सेक्टर्स में, नए बिजनेस और रोजगार पैदा करेगी।'

यूरोपीय आयोग ने जानकारी दी, कि इस डील से 90 फीसद से ज्यादा यूरोपीय संघ के देशों के सामानों के एक्सपोर्ट टैरिफ खत्म, या कम कर दिया जाएगा। इससे यूरोपीय प्रोडक्ट्स पर ड्यूटी में हर साल अरबों यूरो तक की बचत होगी। यूरोपियन कमीशन ने कहा, 'भारत ने किसी भी व्यापारिक सहकार को इतनी बड़ी ट्रेड ओपनिंग नहीं दी है। इससे एक्सपोर्ट को तेज और आसान

बनाने के लिए कस्टम प्रक्रियाओं को सहज बनाया जायेगा।' 27 जनवरी को डील के तुरंत बाद यूरोपियन कमीशन ने आधिकारिक जानकारी दी कि भारत ईयू को टैरिफ में ऐसी छूट देगा, जो उसके किसी भी दूसरे ट्रेडिंग पार्टनर को नहीं मिली है, जिससे ईयू एक्सपोर्ट के लिए भारतीय बाजार में पहुंच बहुत आसान हो जाएगी। उदाहरण के लिए, कारों पर टैरिफ धीरे-धीरे 110 प्रतिशत से घटकर 10 फीसद हो जाएगा, जिसमें हर साल 250,000 गाड़ियों का कोटा होगा। मशीनरी पर 44 प्रतिशत, केमिकल्स पर 22 परसेंट और फार्मास्यूटिकल्स पर 11 प्रतिशत तक के ऊंचे टैरिफ को जीरो पर ले आया जाएगा। टैरिफ एक टैक्स है, जो कोई देश अपने यहां विदेश से आयात होने वाले समान पर लगाता है। इससे विदेश से आने वाला सामान महंगा हो जाता है, और जिस देश में सामान आता है, उसे टैक्स से आय होता है। यूरोपियन कमीशन ने अपनी वेबसाइट पर एक चार्ट के जरिये सारा गणित समझाया है। कमीशन ने वर्ष 2024 को आकलन का आधार बनाया, जिसमें मशीनरी और इलेक्ट्रिकल उपकरण पर 16.3 बिलियन यूरो बतौर टैरिफ देने पड़े थे। एफटीए के कार्यान्वयन के बाद, यूरोपीय संघ के देशों को टैरिफ की देनदारी जीरो प्रतिशत हो जाएगी। विमान और अंतरिक्ष यान निर्यात पर 11 प्रतिशत के हिसाब से 6.4 अरब यूरो टैरिफ के रूप में 2024 में देना पड़ा था, आगे से यह शून्य हो जाएगा। ऑप्टिकल, मेडिकल और सर्जिकल उपकरण के एक्सपोर्ट पर 27.5 प्रतिशत के हिसाब से 3.4 बिलियन यूरो देना पड़ा था, इनमें से 90 फीसद प्रोडक्ट पर शून्य टैरिफ लगा करेगा। प्लास्टिक पर भी जीरो टैरिफ लगा करेगा, जिससे यूरोपीय देशों को 2 अरब 20 करोड़ यूरो की बचत होगी।

केमिकल्स पर 22 प्रतिशत टैरिफ आगे से शून्य हो जायेगा, उससे 3 अरब 20 करोड़ यूरो की बचत होगी। आयरन एंड स्टील पर भी 22 प्रतिशत से शून्य टैरिफ हो जाने से डेढ़ अरब और फार्मास्युटिकल्स पर टैरिफ शून्य हो जाने के बाद 1 अरब 10 करोड़ का फायदा यूरोपीय संघ के देशों को होना है। इस डील से यूरोपीय संघ के किसानों की बल्ले-बल्ले होनी है। यूरोपियन कमीशन ने समझाया है, 'यह एग्रीमेंट ईयू से एक्सपोर्ट होने वाले एग्री-फूड प्रोडक्ट्स पर अक्सर लगने वाले बहुत ज्यादा टैरिफ (औसतन 36 प्रतिशत से ज्यादा) को हटाएगा या कम करेगा, जिससे यूरोपीय किसानों के लिए एक बहुत बड़ा बाजार खुल जाएगा।

समता और समावेशन की दिशा में सार्थक पहल

सतीश मेहरा

यूजीसी ने उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के साथ होने वाले जातिगत भेदभाव को रोकने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और संसदीय समिति की सिफारिशों के आधार पर यूजीसी ने इस संबंध में समिति के गठन हेतु अधिसूचना जारी की है। यह पहल किसी राजनीतिक दबाव का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से सामने आ रही सामाजिक विसंगतियों और न्यायिक हस्तक्षेप का नतीजा है। यूजीसी ने फरवरी, 2025 में 'उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्धन हेतु विनियम, 2026' का मसौदा जारी किया था।

इसके बाद यह मसौदा संसदीय स्थायी समिति को भेजा गया, जिसकी अध्यक्षता कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने की। 8 दिसंबर, 2025 को समिति ने संसद में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें आंकड़ों और तथ्यों के साथ यह स्पष्ट किया गया कि देश के विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में केवल एससी और एसटी ही नहीं, बल्कि ओबीसी विद्यार्थियों के साथ भी जातिगत भेदभाव की घटनाएं बढ़ी हैं। इन सिफारिशों और सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों के आधार पर 13 जनवरी, 2026 को यह विनियम राजपत्र में प्रकाशित हुआ और 15 जनवरी, 2026 से पूरे देश में लागू कर दिया गया। इस प्रावधान का उद्देश्य स्पष्ट और संवैधानिक है-धर्म, जाति, नस्ल, लिंग, जन्म स्थान अथवा दिव्यांगता के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करना तथा उच्च शिक्षण संस्थानों में समता, न्याय और समावेशन को सुनिश्चित करना। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन वर्गों के लिए बनाई गई है, जिनके साथ ऐतिहासिक रूप से सामाजिक, शैक्षणिक और संस्थागत स्तर पर अन्याय होता रहा है। इसके बावजूद इस प्रावधान का विरोध किया जा रहा है। विरोध करने वालों का प्रमुख तर्क यह है कि इस समिति में 'जनरल कैटेगरी' को शामिल नहीं किया गया, इसलिए यह नियम भेदभावपूर्ण है। लेकिन यह प्रश्न विचारणीय है कि जाति-आधारित भेदभाव सामान्य वर्ग के साथ किस प्रकार होता है।

जब देश के अधिकांश विश्वविद्यालयों में प्रोफेसर, प्राचार्य और कुलपति पदों पर लगभग 97 प्रतिशत प्रतिनिधित्व उन्हीं वर्गों का है, तब निर्णय, मूल्यांकन और प्रशासनिक सत्ता पहले से ही उनके हाथों में है। ऐसे में उनके साथ जातिगत उत्पीड़न की आशंका वस्तुत: तथ्य से अधिक आशंका और भ्रम पर आधारित प्रतीत होती है। विश्वविद्यालयों में जातिगत भेदभाव के दुष्परिणामों का इतिहास नया नहीं है। हैदराबाद विश्वविद्यालय के शोधार्थी रोहित वेमुला की आत्महत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया था। अपने अंतिम पत्र में उन्होंने लिखा था— 'मेरा जन्म ही एक दुर्घटना था।' इसके बाद पायल तड़वी और दर्शन सोलंकी जैसे कई मामले सामने आए। ये घटनाएं केवल व्यक्तिगत त्रासदियां नहीं हैं, बल्कि उस व्यवस्था की ओर संकेत करती हैं, जहां शिक्षा के केंद्र ही उत्पीड़न के स्थल बनते चले गए।

यह भी एक भ्रांति फैलाई जा रही है कि यदि कोई ओबीसी विद्यार्थी किसी एससी या एसटी विद्यार्थी के साथ भेदभाव करेगा, तो उस पर कार्रवाई नहीं होगी। विनियम इस संदर्भ में पूरी तरह स्पष्ट है। किसी भी वर्ग के व्यक्ति द्वारा किया गया जाति-आधारित भेदभाव जांच के दायरे में आएगा। समिति का उद्देश्य किसी को पूर्वाग्रह के आधार पर दोषी ठहराना नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच और न्याय सुनिश्चित करना है। समिति की संरचना भी संतुलित और प्रतिनिधिक रखी गई है। इसमें संस्थान प्रमुख पदेन अध्यक्ष होंगे, वरिष्ठ संकाय सदस्य, कर्मचारी प्रतिनिधि, नागरिक समाज के प्रतिनिधि, छात्र प्रतिनिधि और सचिव शामिल होंगे। साथ ही यह अनिवार्य किया गया है कि समिति में एससी, एसटी, ओबीसी, दिव्यांगजन और महिलाओं का समुचित प्रतिनिधित्व हो। यह व्यवस्था इसलिए आवश्यक है ताकि निर्णय प्रक्रिया समावेशी और एकतरफा प्रभाव से मुक्त रहे। विरोध का एक और तर्क संभावित 'दुरुपयोग' को लेकर दिया जा रहा है। किंतु यह तर्क स्वयं में कमजोर है। महिलाओं के लिए बने कानूनों, श्रम कानूनों या आतंकवाद विरोधी कानूनों के दुरुपयोग की आशंका के बावजूद उन्हें समाप्त नहीं किया गया। किसी कानून के संभावित दुरुपयोग के डर से न्याय के रास्ते बंद कर देना स्वयं अन्याय को बढ़ावा देना है।

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जिन समुदायों के विद्यार्थियों के भविष्य की सुरक्षा के लिए यह प्रावधान बनाया गया है, उनमें इसके प्रति पर्याप्त जागरूकता नहीं है। दूसरी ओर, सांस्कृतिक और संस्थागत वर्चस्व रखने वाले वर्ग संगठित रूप से मीडिया, सोशल मीडिया और न्यायिक मंचों पर इसका विरोध कर रहे हैं। यह प्रावधान कोई 'काला कानून' नहीं, बल्कि संविधान में निहित समानता और गरिमा के मूल्यों को व्यवहार में उतारने का प्रयास है। जैसे कार्यस्थलों और शिक्षण संस्थानों में महिलाओं के लिए वूमेन सेल आवश्यक माने जाते हैं, उसी प्रकार जातिगत भेदभाव से पीड़ित वर्गों के लिए यह समिति आवश्यक है। यदि आज इसे कमजोर किया गया, तो भविष्य में फिर किसी रोहित, किसी पायल या किसी दर्शन को इसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। वक्त की मांग है कि हम न्याय, समानता और समावेशन के पक्ष में खड़े होकर भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित-समान अवसरों वाले भविष्य सुनिश्चित करें।

ब्लड साफ तो रहेंगी बीमारियां दूर

अशुद्ध खून से ये होती हैं समस्याएं

आहार में गड़बड़ी के कारण रक्त की अशुद्धि बढ़ जाती है जिसका हमारी त्वचा से लेकर शरीर के कई अंगों पर असर हो सकता है। रक्त की अशुद्धि की स्थिति में लिवर ठीक से काम नहीं कर पाता है जिसके कारण पाचन की समस्या बढ़ जाती है। इसके अलावा त्वचा में संक्रमण होना, मुंहासे-दाने और जलन बने रहना, अक्सर थकान महसूस होते रहना और चेहरे की चमक कम होना इस बात का संकेत हो सकता है कि आपका रक्त साफ नहीं है।

हल्दी से मिलता है लाभ

हल्दी को एंटी-इंफलामेटरी गुणों के लिए जाना जाता है, यह हमारे खून को साफ करने और हीलिंग प्रक्रिया को तेज करने में भी सहायक है। हल्दी में पाया जाने वाला करक्यूमिन नामक यौगिक सूजन और संक्रमण के जोखिमों से बचाने में भी लाभकारी है। आयुर्वेद के अनुसार एक कप गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी पाउडर मिलाकर पिएं। यह पेय लिवर के कार्यों को बेहतर बनाने के साथ शरीर से विषाक्तता को कम करने में भी सहायक है। वहीं हल्दी वाले पानी में शहद और नींबू का रस मिलाकर सेवन करें। यह कॉम्बिनेशन एंटी-एजिंग के लिए बहुत अच्छा है और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है और बढ़ती उम्र को आपके शरीर पर अपना असर नहीं दिखाने देता है। शरीर में किसी भी तरह की सूजन हो और वह किसी इलाज से ठीक न हो रही हो तो हल्दी वाले पानी का इस्तेमाल करें। हल्दी में करक्यूमिन होता है जो सूजन और जोड़ों के दर्द में बहुत असरदार होता है।

नींबू का रस

नींबू का रस आपके रक्त और पाचन तंत्र, दोनों को साफ करने में मदद कर सकता है। यह प्राकृतिक रूप से अम्लीय होता है और जो पीएच स्तर को कम करने और रक्त से विषाक्त पदार्थों को निकालने में उपयोगी होता है। शरीर की अशुद्धि को बाहर करने के लिए रोजाना सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में ताजा नींबू का रस मिलाकर पीना चाहिए। यह रक्त का साफ रखने में भी आपके लिए काफी लाभकारी है।

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सभी अंगों का बेहतर तरीके से काम करते रहना आवश्यक है और इसके लिए जरूरी है कि उन्हें पर्याप्त मात्रा में शुद्ध रक्त मिलता रहे। रक्त, हमारे पूरे शरीर में ऑक्सीजन, हार्मोन्स के परिसंचरण के साथ आवश्यक पोषक तत्वों को पहुंचाने के लिए आवश्यक है। रक्त की शुद्धता का मतलब यह विषाक्तता से मुक्त रहे। आहार में गड़बड़ी के कारण समय के साथ रक्त में कई विषाक्त पदार्थ मिल जाते हैं जिससे शरीर के कई अंगों में विषाक्तता होने का खतरा हो सकता है। सामान्यतौर पर किडनी और लिवर जैसे पाचन तंत्र के अंग स्वाभाविक तौर पर रक्त को निरंतर फिल्टर करते रहते हैं, हालांकि अधिक विषाक्तता के कारण यह प्रक्रिया भी बाधित हो जाती है। इसके लिए जरूरी है कि हम अपने आहार को ठीक रखें और कुछ ऐसी चीजों का सेवन करें जो रक्त से विषाक्तता को कम करने में मदद करती हों।

ब्लड से सारी गंदगी निकाल फेकेंगी ये चीजें

खूब पानी पीने की बनाएं आदत

अधिक पानी पीने की आदत बॉडी डिटॉक्स के साथ-साथ रक्त की अशुद्धि को भी कम करने में मददगार है। लिवर और किडनी के कार्यों को ठीक रखने में भी अधिक पानी पीते रहने से मदद मिल सकती है। ये अंग रक्त को शुद्ध करने और इसमें मौजूद अशुद्धि को बाहर करने के लिए जिम्मेदार माने जाते हैं। नेशनल किडनी एसोसिएशन के अनुसार, आपको प्रतिदिन इतना पानी पीते रहना चाहिए जिससे लगभग 6 कप मूत्र का उत्पादन हो सके। इसके अलावा सुबह उठकर ताजा पानी पीना सेहत के लिए अच्छा होता है। इससे कई लाभ प्राप्त हो सकते हैं। आप दिन भर एक्टिव रहेंगे। बोरियत नहीं होगी और पूरे दिन अच्छा महसूस करेंगे। अपच की समस्या नहीं होगी। इससे कब्ज जैसी समस्या से भी बचाव होता है। सुबह उठते ही हम मल में मौजूद सभी खराब पदार्थों को बाहर निकालने के लिए ताजा पानी पीते हैं। ऐसा करने से शरीर स्वच्छ हो जाता है।

हंसना मना है

प्रेमी (प्रेमिका से)-तुझमें रब दिखता है, यारा मैं क्या करूं? प्रेमिका- करना क्या है, पैसा फेंको, माथा टेको और चलते बनो और भी भक्त लाइन में हैं।

प्रेमिका- क्या तुम मुझे बेहद प्यार करते हो ? प्रेमी- हां, प्रिये, मैं तुम्हारे लिये जान तक दे सकता हूं। प्रेमिका- जान मत दो, पर कल क्या सौ का एक नोट दोगे? प्रेमी- प्रिये ! प्यार मोहब्बत में पैसे नहीं मांगा करते हैं।

प्रेमी -प्रेमिका ने जब एक दूसरे को विवाह का वचन दे दिया, प्रेमिका- परन्तु प्रिय, मैं एक बात पहले साफ कर दूं -मुझे खाना पकाना नहीं आता, प्रेमी- कोई बात नहीं प्रिय, मैं भी पहले ही साफ किये देता हूं, मैं कवि हूं , मेरे घर में पकाने के लिए कुछ है ही नहीं।

युवक- डार्लिंग, क्या मैं पहला शख्स हूं जिसने कि तुमसे प्यार किया हैं? युवती - हां, भई हां ! पता नहीं तुम सारे मर्द लोग यहीं एक सवाल क्यों पूछते हो।

लड़की - हेलो बेबी... तुम्हारी याद आ रही थी... लड़का - अभी सैलरी नहीं आई है मेरी...लड़की - अच्छा चलो... पापा आ गए...

कहानी | शेर और चूहा

एक बार की बात है, किसी जंगल में एक चूहा रहता था। एक दिन जब वो अपनी बिल की तरफ लौट रहा था, तो उसने एक गुफा में एक शेर को आराम करते देखा। शेर को मजे में सोते हुए देख चूहे के मन में शरारत सूझी। चूहा शेर की गुफा में जा घुसा और शेर के ऊपर चढ़ गया। वह शेर के ऊपर खूब उछल-कूद करने लगा और उसके बाल खींचने लगा। चूहे की शरारतों से शेर की नींद खुल गई और उसने चूहे को अपने नुकीले पंजों में दबोच लिया। चूहे ने जब शेर के पंजे में खुद को पाया, तो वो समझ चुका था कि शेर के गुस्से से अब उसे कोई नहीं बचा सकता और आज उसकी मौत तय है। चूहा बुरी तरह डर गया और रो-रोकर शेर से विनती करने लगा कि शेर जी, मुझे मत मारो, मुझसे भूल हो गई, मुझे जाने दो। अगर आज आप मुझे जाने देंगे, तो मैं आपके इस उपकार के बदले भविष्य में जब भी आपको किसी मदद की जरूरत होगी, मैं आपकी मदद करूंगा। चूहे की बातें सुनकर शेर की हंसी निकल गई। शेर ने कहा कि तुम तो खुद इतने छोटे हो, मेरी मदद क्या करोगे। चूहे की विनती सुनकर शेर को उस पर दया आ गई और उसने चूहे को छोड़ दिया। चूहे ने शेर को धन्यवाद बोला और वहां से चला गया। कुछ दिनों बाद जब शेर खाने की तलाश में इधर-उधर घूम रहा था, तभी अचानक किसी शिकारी के फैलाए जाल में फंस गया। शेर ने खुद को जाल से निकालने की भरपूर कोशिश की, लेकिन निकल नहीं पाया। काफी देर कोशिश करने के बाद शेर ने मदद के लिए दहाड़ लगानी शुरू की। उसी वक्त वो चूहा उधर से गुजर रहा था कि उसने शेर की दहाड़ने की आवाज सुनी। वो भागकर शेर के पास गया और शेर को जाल में फंसा देख चौंक गया। उसने बिना देर करते हुए अपने नुकीले दांतों से जाल को काटना शुरू किया और कुछ ही देर में उसने पूरे जाल को काटकर शेर को आजाद कर दिया। चूहे की इस मदद से शेर की आंखें भर आईं और नम आंखों से शेर ने चूहे को धन्यवाद किया और दोनों वहां से चले गए। फिर शेर और चूहा अच्छे दोस्त बन गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

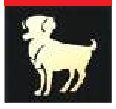

भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा में कमी आएगी। कामकाज में बाधाएं आ सकती हैं। कर्मचारियों पर व्यर्थ संदेह न करें।

तुला

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। राजकीय कार्य में परिवर्तन के योग बनेंगे। आलस्य का परित्याग करें। आपके कामों की लोग प्रशंसा करेंगे। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

वृषभ

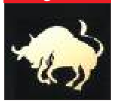

व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। पारिवारिक उन्नति होगी। सुखद यात्रा के योग बनेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा।

वृश्चिक

व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कानूनी मामले सुधरेंगे। धन का प्रबंध करने में कठिनाई आ सकती है। आहार की अनियमितता से बचें। व्यापार, नौकरी में उन्नति होगी।

मिथुन

गीत-संगीत में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। पुराना रोग उभर सकता है। शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

धनु

व्यापार-व्यवसाय सामान्य रहेगा। दूरदर्शिता एवं बुद्धि चातुर्य से कठिनाइयां दूर होंगी। राज्य तथा व्यवसाय में सफलता मिलने के योग हैं। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी।

कर्क

घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। धनलाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। वाणी पर संयम आवश्यक है। जीवनसाथी से मदद मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मकर

लाभ के अवसर मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। कुछ मानसिक अंतर्द्वंद्व पैदा होंगे। पारिवारिक उलझनों के कारण मानसिक कष्ट रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। यात्रा आज न करें।

सिंह

शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान बढ़ेगा। स्वजनों से मेल-मिलाप होगा। नौकरी में ऐच्छिक पदोन्नति की संभावना है। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी।

कुम्भ

नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। कार्य में व्यय की अधिकता रहेगी। दांपत्य जीवन में भावनात्मक समस्याएं रह सकती हैं।

कन्या

अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। व्यावसायिक समस्या का हल निकलेगा। नई योजना में लाभ की संभावना है। रोजगार मिलेगा।

मीन

परिवार के सहयोग से दिन उत्साहपूर्ण व्यतीत होगा। बेचैनी दूर होगी। योजनानुसार कार्य करने से लाभ की संभावना है। आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी। धनार्जन होगा।

हॉलीवुड | मन की बात

परिवार की आनुवंशिक बीमारी के कारण मैंने कॉमेडी से ब्रेक लिया : जाकिर खान

कॉमेडियन जाकिर खान ने बीते दिनों जब अचानक ब्रेक का एलान किया तो उनके फैंस को झटका लगा। हर किसी के मन में सवाल भी आया कि आखिर करियर के इतने शानदार पड़ाव पर उन्होंने ब्रेक क्यों लिया है? कॉमेडियन ने यूं तो ब्रेक के समय बताया था कि वे अब सेहत पर ध्यान देंगे। मगर, अब उन्होंने इसकी असल वजह का खुलासा भी कर दिया है। कॉमेडियन ने सेहत के मद्देनजर कॉमेडी से ब्रेक लिया है। उन्होंने कहा कि परिवार की आनुवांशिक बीमारी की वजह से उन्होंने ऐसा करने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा, मुझे अपनी सेहत पर ध्यान देना होगा। मेरे परिवार में कुछ जेनेटिक बीमारियां हैं, जो एक उम्र के बाद उभरने लगती हैं। मैंने अपने शरीर को भी नुकसान पहुंचाया है। दो घंटे सोता हूं और फिर हजारों लोगों से मिलने चला जाता हूं, क्योंकि जिस पल आप शहर में पहुंचते हो, तभी से लोगों से मिलने लगते हो। परिवार की पहली पीढ़ी, जिसने इतनी सफलता हासिल की जाकिर ने यह भी कहा कि वह परिवार की पहली पीढ़ी हैं, जिसे इतनी सफलता मिली है। ऐसे में उन्हें आने वाली पीढ़ियों के चीजें सही करने की जिम्मेदारी महसूस होती है। जाकिर ने कहा कि वे अपनी आगामी पीढ़ी के लिए कुछ पुल बनाना चाहते हैं। उन्होंने माना कि इसी भावना ने उन्हें लगभग एक दशक तक काम को हर चीज से ऊपर रखने के लिए प्रेरित किया। यह उनका एक ऐसा फैसला रहा, जिसका असर अब उनके शरीर पर दिखने लगा है। उन्होंने आगे कहा, जब आप लगातार दस साल तक एक्सीलरेटर पर पैर रखते हैं, तो शरीर पर असर तो पड़ेगा ही। इसलिए मैंने शुरू में सोचा था कि मैं काम के साथ-साथ अपनी सेहत भी संभाल लूंगा, लेकिन पिछले साल, जब हम यूएस में थे, तो मुझे एहसास हुआ कि दोनों काम एक साथ करना मुमकिन नहीं होगा। तभी मैंने ब्रेक लेने का यह फैसला लिया।

रियलिटी शो 50 में नजर आएंगे विक्रांत सिंह और मोनालिसा

मोनालिसा और विक्रांत जल्द ही रियलिटी शो 50 में एक साथ नजर आएंगे। बता दें कि मोनालिसा का असली नाम अंतरा बिसवास है और वे 50 से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। बिग बॉस 10 के बाद उनकी लोकप्रियता और भी बढ़ी और उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत पहचान बनाई, जहां कई पापुलर शोज में उन्होंने अहम भूमिकाएं निभाईं।

विक्रांत सिंह के मुताबिक, मोनालिसा जब बिग बॉस में आई थी, उससे पहले लोगों की सोच ज्यादातर निगेटिव थी। हम जिस सोसाइटी से आते हैं, वहां खासकर लड़कियों के लिए निगेटिव सोच जल्दी बनती है। घर से निकलकर फिल्म इंडस्ट्री में आना गलत मान लिया जाता है। आप सही हों या गलत लोग की नजर में आप गलत ही हो जाते हैं। अगर आपने ऐसा किरदार चुना जिसे आपको परफॉर्म करना है, तो भी गलत माना जाता है। लोगों ने मोनालिसा के बारे में गलत सोचा। वो लोग बोलने से पहले सोचते नहीं। वो आगे कहते हैं, बिग बॉस में आने के बाद कुछ हद तक राय बदली। हमारी शादी हुई तो और भी बदलाव आया। लेकिन सोच बहुत धीरे बदलती है। ज्यादातर लोग निगेटिव जाते हैं। आपकी मेहनत को लोग क्रेडिट नहीं देते कहते हैं अरे इसको ऐसे ही मिल गया होगा। ये सिर्फ मोना के साथ नहीं, कई लड़कियों के साथ होता है। अब थोड़ा बदल रहा है, लेकिन बहुत धीरे। रियलिटी शो 50 के बारे में विक्रांत कहते हैं, मेकर्स ने बताया कि हिंदुस्तान का सबसे बड़ा शो बनाना चाहते हैं, 50 सेलेब्स आने वाले हैं। यह सुनकर कोई भी तुरंत सोच लेगा कि भाई मौका मिल रहा है, चौका मार देते हैं। तो हम तो तुरंत तैयार हो गए।

मोनालिसा ने आगे जोड़ा, जब फॉर्मेट सुना तो सबसे पहली सोच यही थी कि बहुत अलग होगा। पहले जब मैं बिग बॉस में गई थी, वहां 15 लोग थे, यहां 50 रहेंगे। और हमें दोनों को साथ बुलाया गया है। बिग बॉस के बाद हमें ज्यादातर रियलिटी शो ही ऑफर होते रहे, जैसे नच बलिये, स्मार्ट जोड़ी, किचन चैम्पियन यह सब बहुत एक्साइटिंग था। मुझे नए एक्सपीरियंस लेना पसंद है। मैं चाहती हूं कि करियर वाइज हमेशा कुछ नया करूं और लकी हूं कि मिल भी जाता है। विक्रांत साफ कहते हैं, पर्सनल लाइफ और घर में रहना एक बात है। लोगों के बीच जाकर कैसे रियेक्ट करते हो, वो दूसरी बात है। ऊपर से गेम खेलना है। तो मुझे लगता है कि डिफरेंसेज दिखेंगे ही।

अब फिल्ममेकर बनेंगे अरिजीत, बेटा होगा हीरो, नवाजुद्दीन की बेटी हीरोइन

अरिजीत सिंह ने फैंस को चौंका दिया है। 27 जनवरी 2026 को उन्होंने अपने प्राइवेट एक्स अकाउंट और इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट का ऐलान किया। अब खबर है कि वह एक नई जर्नी शुरू करने जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अरिजीत अब फिल्म निर्माण और निर्देशन की दुनिया में कदम रखने की तैयारी में हैं।

अरिजीत सिंह ने मंगलवार शाम को एक पोस्ट शेयर किया। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा- हैलो, हैप्पी न्यू ईयर टू ऑल। इतने सालों से सुनने वालों के प्यार के लिए शुक्रिया। मैं खुशी से ऐलान करता हूं कि अब मैं प्लेबैक वोकलिस्ट के तौर पर कोई नया असाइनमेंट नहीं लूंगा, मैं इसे खत्म कर रहा हूं। यह एक शानदार सफर रहा। अरिजीत ने साफ किया कि वे म्यूजिक बनाना नहीं छोड़ेंगे, बल्कि पेंडिंग कमिटमेंट्स पूरा करेंगे और 2026 में कुछ रिलीज होंगी।

यह अरिजीत का अलविदा नहीं बल्कि एक नए अध्याय की शुरुआत है। अरिजीत सिंह अब फिल्ममेकिंग की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। पिंकविला की एक खबर के मुताबिक, वह निर्देशन और प्रोडक्शन पर फोकस करना चाहते हैं। परफेक्शनिस्ट माने जाने वाले अरिजीत हमेशा से नए क्रिएटिव आयाम तलाशते रहे हैं और यही जिज्ञासा उन्हें अब कैमरे के पीछे ले आई है।

रिपोर्ट में सूत्रों के वाले से बताया गया है कि अरिजीत की डेब्यू हिंदी फिल्म एक जंगल एडवेंचर पर आधारित होगी, जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी की बेटी शोरा और अरिजीत के बेटे लीड रोल में नजर आएंगे।

इस फिल्म को अरिजीत सिंह और उनकी पत्नी कोयल सिंह मिलकर महावीर जैन के साथ को-प्रोड्यूस कर रहे हैं। खास बात यह है कि फिल्म की स्क्रिप्ट भी अरिजीत और कोयल ने मिलकर लिखी है।

अजब-गजब | ये है दुनिया का अनोखा जीव

ठंड में याददाश्त खो बैठता है यह जीव, गर्मी आते ही इसे याद आ जाती है एक-एक बात!

दुनिया में कई अनोखे जीव हैं, लेकिन आर्कटिक ग्राउंड स्क्विरल सबसे हैरान करने वाला है। ये छोटा-सा गिलहरी जैसा जीव अलास्का, कनाडा और साइबेरिया की बेहद ठंडी जगहों पर रहता है, जहां सर्दियां 8 महीने तक चलती है।

यहां तापमान-30°C से नीचे गिर जाता है। ज्यादातर जीव ठंड से बचने के लिए संघर्ष करते हैं, लेकिन ये स्क्विरल ठंड को 'सेलिब्रेट' करता है, हाइबरनेशन में जाकर! ये हाइबरनेशन इतना एक्सट्रीम है कि इसका ब्रेन ज्यादातर समय बंद रहता है। इसकी याददाश्त लगभग खो जाती है, लेकिन वसंत में जागते ही सब कुछ वापस आ जाता है।

हाइबरनेशन के दौरान इसका बॉडी टेम्परेचर पानी के फ्रीजिंग पॉइंट से नीचे -2.9°C तक पहुंच जाता है। ये किसी भी स्तनधारी में सबसे कम दर्ज तापमान है। दिल की धड़कन 200 से घटकर 1-5 बीट्स प्रति मिनट रह जाती है, सांसें मुश्किल से 1-2 बार प्रति मिनट चलती है। ब्रेन एक्टिविटी लगभग शून्य हो जाती है। न्यूरॉन्स सिकुड़ जाते हैं, हजारों-लाखों सिनैप्सेस (न्यूरल कनेक्शन)

टूट जाते हैं या विल्ट हो जाते हैं। इंसानों में ऐसा होने पर ब्रेन सेल्स डैमेज हो जाते, स्ट्रोक जैसी स्थिति बन जाती है। लेकिन ये स्क्विरल बिना किसी स्थायी नुकसान के सर्वाइव करता है। वैज्ञानिकों ने पाया कि हाइबरनेशन में ब्रेन 'शटडाउन' मोड में चला जाता है। ऑक्सीजन और ब्लड फ्लो 90% तक कम हो जाता है। ब्रेन में इस्केमिया (ऑक्सीजन की कमी) होती है, जो इंसानों में ब्रेन डेथ का कारण बनती है। लेकिन आर्कटिक ग्राउंड स्क्विरल में ब्रेन सेल्स इस स्थिति को सहन कर लेते हैं। हर 2-3 हफ्ते में ये 'अराउजल' पीरियड में आते हैं। इसमें शिवरिंग करके बॉडी टेम्परेचर 36-37°C तक लाते हैं, 12-15 घंटे नॉर्मल रहते हैं, फिर दोबारा फ्रीज हो जाते हैं। ये अराउजल ब्रेन को बचाने में मदद करता है।

सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि स्प्रिंग में जागने पर इनका ब्रेन रिकवर हो जाता है। न्यूरॉन्स दोबारा बढ़ते हैं, सिनैप्सेस रीग्रो करते हैं। कभी-कभी पहले से ज्यादा ही। रिसर्च दिखाती है कि अराउजल के 2 घंटे में ही ब्रेन कनेक्शन रिकवर हो जाते हैं और नए बन जाते हैं। याददाश्त पूरी तरह इंटैक्ट रहती है। उन्हें खाना ढूंढना, साथी चुनना, सब याद रहता है। स्टडीज में पाया गया कि हाइबरनेशन के बाद 24 घंटे में कॉन्टेक्सचुअल मेमोरी (परिस्थिति आधारित याददाश्त) और मजबूत हो जाती है। ये क्षमता वैज्ञानिकों के लिए गेम-चेंजर है। इंसानों में ब्रेन इंजरी, स्ट्रोक, अल्जाइमर जैसी बीमारियों में न्यूरॉन्स डैमेज हो जाते हैं। लेकिन आर्कटिक ग्राउंड स्क्विरल ब्रेन को प्रोटेक्ट करने के तरीके बताता है।

ये है भारत की सबसे बेकार ट्रेन, 5 घंटे में तय करती है 45 किमी का सफर

भारत में इंडियन रेलवे की कई ट्रेनें तेज रफ्तार से मशहूर है। इसमें वंदे भारत, शताब्दी, राजधानी जैसे ट्रेन शामिल है। लेकिन भारत में एक ट्रेन भी है जो 'सबसे बेकार' या सबसे धीमी मानी जाती है। इसका नाम है नीलगिरी माउंटेन रेलवे (NMR), जिसे लोकल में 'टॉय ट्रेन' कहते हैं। ये ट्रेन तमिलनाडु के नीलगिरी पहाड़ों में मेट्टुपालयम से ऊटी तक चलती है। सबसे हैरान करने वाली बात ये है कि ये ट्रेन महज 45 किलोमीटर चलती है लेकिन इस सफर को पूरा करने में इसे लगभग 5 घंटे लगते हैं। इस ट्रेन की औसत स्पीड सिर्फ 9-10 किमी/घंटा है। सोशल मीडिया पर साउथर्न रेलवे के पेज से इस ट्रेन की जानकारी वायरल हुई। असल में ये ट्रेन इंजीनियरिंग का कमाल और नेचर का खूबसूरत अनुभव है। नीलगिरी माउंटेन रेलवे 1908 में ब्रिटिश काल में बनाई गई थी। ये भारत की एकमात्र रैक एंड पिनियन सिस्टम वाली रेलवे है। खड़ी चढ़ाई (मैक्सिमम ग्रेडिएंट 1 इन 12 या 8.33प्रतिशत) पर ट्रेन को चढ़ाने के लिए स्पेशल रैक सिस्टम यूज होता है, जिसमें लोकोमोटिव के नीचे पिनियन व्हील रैक रेल पर काटते हैं। इससे ट्रेन 13-15 किमी/घंटा से ज्यादा स्पीड नहीं पकड़ पाती। प्लेन सेक्शन में 30 किमी/घंटा तक जाती है, लेकिन रैक सेक्शन में बहुत धीमी होती है। ऊपर जाने में 4.8-5 घंटे लगते हैं जबकि नीचे आने में 3.5-4 घंटे लगते हैं। इसका रूट बेहद खूबसूरत है। ट्रेन में मेट्टुपालयम (326 मीटर ऊंचाई) से शुरू होकर ऊटी (2203 मीटर) तक पहुंचती है। रास्ते में 16 सुरंगें, 250 पुल (जिनमें 32 बड़े), 208-209 घुमाव और कई वियाडक्ट मिलते हैं। ट्रेन जंगल, चाय बागानों, यूकेलिप्टस के पेड़ों, झरनों, घाटियों और पहाड़ी इलाकों से गुजरती है। सुरंगों में अंधेरा होता है, फिर अचानक खुलते ही नया नजारा दिखता है। ये अनुभव लाजवाब है। कई जगह ट्रेन खड़ी ढलानों पर धीरे-धीरे चढ़ती है, जिससे पैसेंजर्स बाहर झांककर फोटो ले सकते हैं। ये ट्रेन यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट है।

तमिलनाडु विस चुनाव के लिए कांग्रेस-डीएमके ने कसी कमर

» राहुल और कनिमोझी के बीच बैठक, बातचीत अभी जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस और डीएमके ने अपनी कोशिश करनी शुरू कर दी है। इसी के मद्देनर राहुल गांधी और कनिमोझी के बीच बैठक हुई। हालांकि कांग्रेस की सरकार में हिस्सेदारी की मांग के कारण सीट-बंटवारे पर बातचीत में देरी हो रही है। बैठक की पहल डीएमके पार्टी ने अपने सहयोगी कांग्रेस से संपर्क साधने के प्रयास के तहत की थी, किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची। दोनों नेताओं ने लगभग एक घंटे तक बैठक की, लेकिन किसी भी आंकड़े पर चर्चा नहीं हुई।

राहुल गांधी ने कनिमोझी से आग्रह किया कि वे कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा गठित नेताओं की टीम से इस मामले पर चर्चा करें और इसे अंतिम रूप दें। कांग्रेस पार्टी के एक सूत्र के अनुसार, बैठक सौहार्दपूर्ण रही। ये घटनाक्र म ऐसे समय में सामने आए हैं जब तमिलनाडु में इस साल के पहले छह महीनों में चुनाव होने हैं, हालांकि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने अभी तक आधिकारिक चुनाव कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है। इस बीच, 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में डीएमके ने 2021 के विधानसभा चुनावों में 133 सीटें जीतीं। कांग्रेस ने 18, पीएमके ने 5, वीसीके ने 4 और अन्य ने 8 सीटें जीतीं।

झारखंड फॉर्मूले को तमिलनाडु में भी लागू करने की वकालत

राज्य में दो दशक पुराने गठबंधन के सहयोगी इस बार विधानसभा चुनावों में असहज महसूस कर रहे हैं, क्योंकि कांग्रेस पार्टी का राज्य नेतृत्व सरकार में हिस्सेदारी की मांग कर रहा है, जो डीएमके ने कांग्रेस को नहीं दी है। जब कई नेताओं ने झारखंड फॉर्मूले को तमिलनाडु में भी लागू करने की वकालत की, तो एआईसीसी नेतृत्व ने सभी महत्वपूर्ण राज्य नेताओं की बैठक बुलाकर उनके विचार जाने। सभी नेताओं की बात सुनने के बाद अंतिम निर्णय लेने का अधिकार नेतृत्व को दिया गया।

डीएमके की प्रतिक्रिया का इंतजार : गिरीश चोडंकर

डीएमके के साथ गठबंधन पर तमिलनाडु एआईसीसी प्रभारी गिरीश चोडंकर ने बताया कि हम डीएमके की प्रतिक्रि या का इंतजार कर रहे हैं क्योंकि गठबंधन की बातचीत अभी शुरू नहीं हुई है। हम पिछले दो महीनों से इसका इंतजार कर रहे हैं। हमारा विपक्ष बहुत आक्रामक तरीके से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमने नवंबर में गठबंधन समिति का गठन किया था। हमने अनुरोध किया है कि 15 दिसंबर तक गठबंधन वार्ता पूरी कर ली जाए और गठबंधन पर मुहर लगा दी जाए। मुझे समझ नहीं आ रहा कि देरी क्यों हो रही है। हमें उम्मीद है कि वे जल्द ही गठबंधन वार्ता को पूरा कर लेंगे।

किसी भी बिल में किसी एक वर्ग की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए : नीरज कुमार

» यूजीसी बिल पर जदयू की प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जदयू ने स्पष्ट कहा- किसी भी वर्ग की उपेक्षा लोकतंत्र के लिए घातक है। यूजीसी बिल पर सीएम नीतीश कुमार की पार्टी का अलग रुख है। जनता दल यूनाइटेड ने स्पष्ट कहा है कि किसी भी बिल में किसी एक वर्ग की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। यह लोकतंत्र के लिए घातक साबित होगा। जदयू के मुख्य प्रवक्ता और एमएलसी नीरज कुमार ने कहा कि पार्टी ने दो-टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि समाज के किसी भी वर्ग की उपेक्षा लोकतंत्र के लिए घातक हो सकती है। उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में भाजपा के पदाधिकारियों ने इन नियमों के विरोध में अपने पदों से त्यागपत्र दे दिया है।

उनका कहना है कि सामान्य वर्ग के छात्रों और शिक्षकों का आरोप है कि दंड का प्रावधान हटने से इन नियमों का दुरुपयोग बढ़ेगा और उन्हें निजी रंजिश के तहत निशाना बनाया जा सकता है। वहीं पटना के दिनकर गोलंबर चौराहा पर सवर्ण छात्रों के साथ प्रदर्शन कर रहे छात्र नेता सौरव कुमार, विशाल और राकेश कुमार ने कहा कि यह काला बिल है। यह पूरी तरह से जात पात को बढ़ाई देना वाला है। इस सवर्णों के खिलाफ है। मोदी सरकार ने वोट बैंक के लिए सवर्णों की अनदेखी की है। हमलोग पीएम मोदी से पूछ रहे हैं कि इस तरह से बांटने की राजनीति वह क्यों कर रहे हैं। हमलोग सरकार को स्पष्ट चेतावनी दे रहे हैं कि जब जब सवर्ण समाज ने आवाज उठाई है, तब तक सिंहासन डोला है। इसलिए सरकार से अनुरोध है कि वह इस बांटने वाले बिल को वापस ले।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को राहत

» दोहरी नागरिकता वाली अर्जी खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रायबरेली से स्थानांतरित होकर सुनवाई के लिए लखनऊ आई अर्जी जिसमें कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता को लेकर रिपोर्ट दर्ज कराए जाने की मांग की गई थी। इस अर्जी को एमपीएमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम आलोक वर्मा ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने अर्जी को खारिज करते हुए आदेश में कहा कि सिटीजनशिप के मामले को लेकर याची की ओर से पूर्व में भी हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में तथ्यों को बताया जा चुका है।

बताते चलें कि इससे पहले कर्नाटक के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने रायबरेली की एमपीएलए कोर्ट में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने की मांग वाली अर्जी दाखिल की थी। अर्जी में राहुल गांधी के ऊपर बीएनएस, शासकीय गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए थे। याचिका दाखिल करने के बाद शिकायतकर्ता ने मामले को रायबरेली के बाहर स्थानांतरित कर सुनवाई किए जाने की मांग हाईकोर्ट से की थी। वादी की याचिका पर हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद पिछले वर्ष 17 दिसंबर को केस को रायबरेली से लखनऊ की एमपीएमएलए कोर्ट में सुनवाई के लिए स्थानांतरित कर दिया था।

वीबी-जी राम जी ने गरीबों की कमर ही तोड़ दी

» कांग्रेस सांसद इमरान मसूद बोले- राष्ट्रपति के पूरे भाषण को पुराने और नए डिब्बों में लपेटकर दोबारा पेश किया जा रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने एनडीए सरकार पर करारा वार किया। उन्होंने नई रोजगार गारंटी योजना (वीबी-जी आरएएम जी) को पुरानी योजनाओं की नई पैकिंग बताते हुए आलोचना की, जबकि मंत्री किरेन रिजिजू ने राष्ट्रपति के अभिभाषण में बाधा डालने को संसदीय मर्यादा का अपमान करार दिया। यह टकराव बजट सत्र में विपक्ष और सरकार के बीच तनावपूर्ण बहस का संकेत देता है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के बजट सत्र के संबोधन के दौरान हुए हंगामे के लिए विपक्ष की आलोचना करने के एक दिन बाद, कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि पार्टी बुधवार को शुरू हुए बजट सत्र में एमएनआरईजीए का मुद्दा उठाएगी। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने

केंद्र सरकार की नई ग्रामीण रोजगार योजना, विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड रोजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी आरएएम जी) अधिनियम की आलोचना करते हुए सरकार पर गरीबों की कमर तोड़ने का आरोप लगाया।

मसूद ने बताया कि वे ऐसी बातें कर रहे हैं जिनका कोई मतलब नहीं है। हमारा एमएनआरईजीए का एजेंडा है। आपने (सरकार ने) गरीबों की कमर तोड़ दी है, तो क्या हमें बोलने से भी रोक दिया जाएगा? क्या आप पुराने सामान को नए रूप में बेच रहे हैं, राष्ट्रपति के पूरे भाषण को पुराने और नए डिब्बों में लपेटकर दोबारा पेश कर रहे हैं? क्या इसके अलावा कुछ और है? हमने एमएनआरईजीए के बारे में बात की, और कुछ नहीं था।

सड़क सुरक्षा माह में दी ट्रैफिक संबंधी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूरे देश में सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत लोगों को सड़क पर चलने व ट्रैफिक संबंधी जानकारी दी जा रही है। उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में यह माह मनाया जा रहा है। गाजीपुर के एआरटीओ धनबीर यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में सुरक्षा माह को बहुत जिम्मेदारी के साथ सभी कर्मचारी मना रहें हैं।

इसके तहत लोगों को ट्रैफिक संबंधी गुर बताए जा रहें हैं। उन्होंने बताया कि इसमे हम आम जनता को एचएसआरपी लगे वाहन, व लोबीम हाईबीम, लेनों की जानकारी दे रहे हैं। साथ ही साथ सड़क पर खड़े वाहनों व नियमों का पालन न करने वालों का चालान भी कर रहें हैं।

शिवम दुबे की मेहनत पर फिरा पानी

» चौथे टी20 में न्यूजीलैंड ने भारत को 50 रन से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

विशाखापत्तनम। न्यूजीलैंड ने भारत को चौथे टी20 मुकाबले में 50 रन से हरा दिया। इससे पहले टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को शुरुआती तीनों मुकाबलों में मात देकर सीरीज अपने नाम की। विशाखापत्तनम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने टिम सीफर्ट की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 215 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 18.4 ओवर में 165 रन ही बना पाई। इस मुकाबले के बाद अब यह सीरीज 3-1 पर पहुंच गई है। 216 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही।

पारी की पहली ही गेंद पर अभिषेक शर्मा आउट हो गए और इसके तुरंत बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव भी सस्ते में पवेलियन लौट गए। शुरुआती झटकों से भारत दबाव में आ गया। इसके बाद रिंकू सिंह और संजू सैमसन ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन रिंकू 39 रन बनाकर आउट हुए, जबकि सैमसन 24 रन बनाकर क्लीन बोल्ड हो गए। हार्दिक पांड्या भी कोई खास योगदान नहीं दे सके। ऐसे मुश्किल समय में शिवम दुबे ने एक छोर संभालते हुए उन्होंने ईश सोढ़ी के एक ओवर में 29 रन बटोरकर मैच में जान फूंक दी। दुबे ने मात्र 15 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और 23 गेंदों में 65 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें सात छक्के शामिल थे। हालांकि, दूसरे छोर से उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। हर्षित राणा के साथ छठे विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी हुई, लेकिन राणा का योगदान सीमित रहा। दुर्भाग्यपूर्ण रनआउट में दुबे के आउट होते ही भारत की उम्मीदें भी खत्म हो गईं। पूरी टीम 18.4 ओवर में 165 रन पर ऑलआउट हो गई।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में सूर्या 7वें स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही पांच मैचों की घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन के दम पर आईसीसी की पुरुष टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में पांच पायदान की छलांग लगाकर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। एक समय टी20 रैंकिंग में नंबर एक रहे सूर्यकुमार ने इन मुकाबलों में 32, नाबाद 82 और नाबाद 57 रन बनाए, जिससे उनकी रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ। वहीं अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं, जबकि तिलक वर्मा तीसरे स्थान पर हैं। रायपुर में खेले गए दूसरे मैच में 32 गेंदों पर 76 रन की शानदार पारी खेलने वाले ईशान किशन ने रैंकिंग में दोबारा प्रवेश करते हुए 64वां स्थान हासिल किया है। इसके अलावा, शिवम दुबे नौ पायदान ऊपर चढ़कर 58वें और रिंकू सिंह 13 स्थान की छलांग लगाकर 68वें स्थान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजों की टी20 रैंकिंग में भारत के जसप्रीत बुमराह चार पायदान ऊपर 13वें, जबकि रवि बिश्नोई 13 स्थान की छलांग लगाकर 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑलराउंडरों की सूची में पांड्या एक पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक, अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूजीसी रेगुलेशन के खिलाफ देशभर में भारी विरोध के बीच आज इस पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। सुप्रीमकोर्ट ने जाति-आधारित भेदभाव की परिभाषा से संबंधित यूजीसी रेगुलेशन के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की। सुप्रीम कोर्ट ने नए नियमों पर रोक लगा दी है। अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी।

यूजीसी रेगुलेशन के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम सिर्फ संवैधानिकता और वैधता के आधार पर इसकी जांच कर रहे हैं। यूजीसी रेगुलेशन के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए स्ष्ट ने कहा कि हमारे एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन में भारत की एकता दिखनी चाहिए। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस ज्योमाल्या बागची की बेंच ने यूजीसी के नए नियमों पर सुनवाई करते हुए कहा कि यूजीसी के नए नियम अस्पष्ट हैं और इसके दुरुपयोग का खतरा है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए नियमों पर रोक लगा दिया है। मामले की अगली सुनवाई अब 19 मार्च को की जाएगी।

2012 वाले नियम फिर से लागू

चीफ जस्टिस ने आदेश देते हुए कहा कि 2012 के नियम फिर से लागू होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि रेगुलेशन में जो शब्द इस्तेमाल किए गए हैं उनसे यह लगता है कि इस रेगुलेशन का दुरुपयोग किया जा सकता है। जस्टिस बागची ने कहा कि हम समाज में एक निष्पक्ष और समावेशी माहौल बनाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब 3 ई पहले से मौजूद है, तो 2सी कैसे प्रासंगिक हो जाता है? बागची ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि हम उस स्थिति तक नहीं पहुंचेंगे जहां अमेरिका की तरह अलग-अलग स्कूल हों जहां कभी अश्वेत और श्वेत बच्चों को अलग-अलग स्कूलों में पढ़ना पड़ता था।

बजट सत्र पर पीएम के बयान पर घमासान

कांग्रेस ने आर्थिक सर्वे को लेकर बीजेपी को घेरा

पीएम मोदी राष्ट्रीय मुद्दों पर विपक्ष को विश्वास में नहीं लेते : जयराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बजट सत्र पर दिये बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि वे प्रत्येक सत्र की शुरुआत से पहले देश को अपना वही पाखंडी संदेश देते हैं। आज का प्रदर्शन इसी कड़ी का हिस्सा है। कांग्रेस के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, वह (प्रधानमंत्री) राष्ट्रीय मुद्दों पर विपक्ष को विश्वास में लेने के लिए सर्वदलीय बैठकें नहीं बुलाएंगे और न ही उनकी अध्यक्षता करेंगे।

रमेश ने दावा किया कि वह अचानक अंतिम समय में विधेयक पेश करवाएंगे और आवश्यक विधायी जांच के बिना उन्हें संसद से पारित करवा देंगे। उन्होंने आगे कहा कि मोदी संसद में बैठकर विपक्षी नेताओं की चिंताओं का जवाब नहीं देंगे, बल्कि दोनों सदनों में चुनावी रैलियों में भाषण देंगे। आगे उन्होंने कहा प्रत्येक सत्र की शुरुआत से पहले, वह संसद को पृष्ठभूमि बनाकर अपना वही पाखंड से भरा देश के नाम संदेश देंगे। आज का प्रदर्शन इसी श्रृंखला का हिस्सा है। आपको बता दें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि

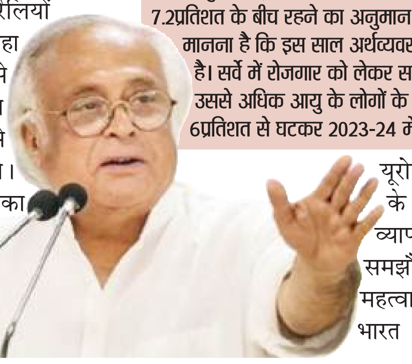

यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता महत्वाकांक्षी भारत के लिए है। उन्होंने निर्माताओं से आग्रह किया कि वे उनके लिए खुल रहे नए बाजारों से लाभ उठाएं। मोदी ने यह भी कहा कि देश लंबे समय से लंबित समस्याओं से उबर रहा है और दीर्घकालिक समाधानों की दिशा में काम कर रहा है।

समाधान खोजने का समय आ गया: मोदी

मोदी ने कहा कि अब समाधान खोजने का समय आ गया है, न कि बाधाएं पैदा करने का। उन्होंने आगे कहा कि उनकी सरकार केवल फाइलों तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों तक कल्याणकारी योजनाओं की अंतिम-मील डिलीवरी सुनिश्चित करने पर भी काम कर रही है। बजट सत्र की शुरुआत में संसद भवन परिसर में अपने पारंपरिक संबोधन में उन्होंने पत्रकारों से कहा, देश के सर्वांगीण विकास के लिए कदम उठाते समय हमारी प्राथमिकता हमेशा मानव-केंद्रित रहती है। उन्होंने आगे कहा कि आत्मविश्वास से भरा भारत दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभरा है।

आर्थिक सर्वेक्षण 2026 में विकास दर में गिरावट का संकेत

सर्वे के मुताबिक, अगले वित्त वर्ष यानी वित्तीय वर्ष 2027 में भारत की जीडीपी विकास दर 6.8प्रतिशत से 7.2प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। यह मौजूदा वित्त वर्ष के अनुमान से कम है। सरकार का मानना है कि इस साल अर्थव्यवस्था 7.4प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जो कि उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन है। सर्वे में रोजगार को लेकर सकारात्मक आंकड़े पेश किए गए हैं. रिपोर्ट के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए बेरोजगारी दर में लगातार गिरावट आई है। यह 2017-18 के 6प्रतिशत से घटकर 2023-24 में 3.2प्रतिशत पर आ गई है।

जलकल विभाग में फर्जी नियुक्तियों का खेल!

जांच हो तो खुल सकता है बड़ा पिटारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जलकल विभाग में कथित रूप से फर्जी नियुक्तियों के जरिए सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से नियमों को ताक पर रखकर अवैध मृतक आश्रित नियुक्तियां की गईं, जिन पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

सूत्रों के मुताबिक, जलकल महाप्रबंधक को पूरे मामले की जानकारी होने के बावजूद चुप्पी साधे रहना भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने जैसा माना जा रहा है।

27 फरवरी 2023 को लखनऊ नगर निगम द्वारा गठित चार सदस्यीय जांच समिति ने सहायक लेखाकार मृत्युंजय की मृतक आश्रित नियुक्ति को शासनादेश और नियमों के विपरीत बताते हुए अवैध करार दिया था। इसके बावजूद आज तक न तो नियुक्ति रद्द की गई और न ही जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हुई।

14 जनवरी 2026 को जलकल सचिव धर्मेंद्र सिंह सत्संगी द्वारा जारी एक पत्र में सहायक लेखाकार मृत्युंजय को मृतक आश्रित नहीं बल्कि सीधी भर्ती का कर्मी बताया गया, जिससे पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया। हालांकि जब इस संबंध में सचिव से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा—मैंने किसी ऐसे पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। मामला पुराना है, मुझे पूरी जानकारी नहीं है। महाप्रबंधक की अनुमति के बिना मैं कोई पत्र जारी नहीं करता।

उच्च अधिकारियों पर दबाव बनाया

यह भी आरोप है कि मृत्युंजय ने उच्च अधिकारियों पर दबाव बनाते हुए कथित तौर पर कहा है अगर मेरी नौकरी गई तो मैं किसी की नौकरी नहीं छोड़ूंगा। सूत्रों के अनुसार, इस पूरे मामले में लेखा अधिकारी पंकज सोती की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है, जो लगातार अवैध नियुक्ति को संरक्षण दे रहे हैं। आखिर जलकल महाप्रबंधक कुलदीप सिंह और सचिव धर्मेंद्र सिंह सत्संगी, महापौर/जलकल अध्यक्ष सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार की छवि को क्यों दांव पर लगा रहे हैं? क्या इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होगी या फाइलें यूं ही दबती रहेंगी?

नियुक्ति में गड़बड़ी की जांच चल रही है : कुलदीप सिंह

जलकल महाप्रबंधक कुलदीप सिंह का कहना है मृत्युंजय की भर्ती मृतक आश्रित में हुई ना कि सीधी भर्ती में। बाकी उनकी नियुक्ति में जो भी गड़बड़ी की बात है उसकी एक अलग जांच कमेटी बनाई गई है जिसकी जांच चल रही है।

मल्लिकार्जुन खरगे व राहुल गांधी से मिले शशि थरूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में गुरुवार को कांग्रेस सांसद शशि थरूर और राहुल गांधी के बीच महत्वपूर्ण मुलाकात हुई। इस बैठक के बाद थरूर ने मुस्कुराते हुए कहा, सब ठीक है। उनके इस बयान ने कांग्रेस के भीतर चल रहे मतभेदों और असंतोष की खबरों पर फिलहाल विराम लगा दिया है।

थरूर ने राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के साथ हुई इस बातचीत को बहुत ही रचनात्मक और सकारात्मक बताया। उन्होंने साफ किया कि अब वे और पार्टी नेतृत्व एक ही बात पर सहमत हैं। पिछले कुछ महीनों से शशि थरूर और कांग्रेस नेतृत्व के बीच तनाव की खबरें आ रही थीं। थरूर ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया था कि उनके कुछ मुद्दे हैं, जिन्हें वे पार्टी के मंच पर उठाना चाहते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा था कि वे 17 साल से कांग्रेस में हैं और उन्होंने कभी भी संसद

में पार्टी के तय रुख का उल्लंघन नहीं किया है। विवाद की शुरुआत तब हुई जब थरूर पार्टी की एक अहम बैठक में शामिल नहीं हुए थे। हालांकि, उन्होंने बाद में स्पष्ट किया कि वे एक साहित्य उत्सव में गए थे और इसकी जानकारी नेतृत्व को पहले ही दे दी गई थी। इसके अलावा, कोच्चि में पार्टी के एक कार्यक्रम में उनके साथ हुए खराब व्यवहार की खबरों पर भी उन्होंने चुप्पी साधे रखी।। गया है।

लालू परिवार को कोर्ट से राहत की उम्मीद

राबड़ी और तेजस्वी-तेज प्रताप ने व्यक्तिगत पेशी से मांगी छूट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी ने राउज एवेन्यू कोर्ट से व्यवि तगत पेशी से छूट मांगी है। इसी क्रम में, उनके बेटे तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव ने भी कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने से छूट देने की अर्जी दायर की है। यह मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज किया गया है, जिसमें भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप शामिल हैं।

अदालत इन याचिकाओं पर सुनवाई करेगी और अपना फैसला सुनाएगी। रेलवे में नौकरी के बदले जमीन लिखवाने के मामले में आरोप पत्र दाखिल होने के बाद आज पहली बार दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में लालू परिवार की भूमिका पर सुनवाई हुई। आरोप पत्र स्वीकार करने से पहले कोर्ट ने इसमें सिंडिकेट की तरह लालू परिवार के शामिल होने की प्रथम दृष्टया बात कही थी। खास बात यह भी है कि इस केस में भले ही लालू प्रसाद यादव सबसे बड़ा नाम हैं, लेकिन सभी का ध्यान तेजस्वी यादव पर है। उन्हें सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए समन जारी हुआ था। तेजस्वी पर सबसे ज्यादा लोगों का ध्यान इसलिए है, क्योंकि वह राजद के कार्यकारी अध्यक्ष बनकर लालू के उत्तराधिकारी घोषित हो चुके हैं और महागठबंधन के सबसे बड़े नेता हैं। पिछले चुनाव में वह मुख्यमंत्री की दावेदारी भी कर रहे थे।

1 से 15 फरवरी के बीच होना होगा पेश, 9 मार्च से रेगुलर ट्रायल की तैयारी

गुरुवार को हुई इस सुनवाई के दौरान लालू यादव की बड़ी बेटी और पाटलिपुत्र से सांसद मीसा भारती और उनकी बहन हेमा यादव कोर्ट में पहुंची, लेकिन बाकी लोग कोर्ट नहीं आए। इसलिए अदालत ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को 1 से 15 फरवरी के बीच कोर्ट के समक्ष सशरीर हाजिर होना होगा। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि अब इस मामले में किसी भी प्रकार की ढील नहीं दी जाएगी। अदालत ने निर्देश दिया है कि 9 मार्च से इस पूरे मामले की नियमित सुनवाई शुरू होगी। कानूनी जानकारों का मानना है कि रेगुलर सुनवाई शुरू होने से इस केस का फैसला जल्द आने की उम्मीद है, जो चुनावी साल में राजद की राजनीतिक मुश्किलों को बड़ा सकता है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।